NEWSLETTER

GOLD : 54561
SILVER : 69021
CRUD OIL : 6616

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

24/12/2022

NATIONAL

अब सब कुछ किसान के हाँथ में है

दीपक बत्रा
(कॉटन जिनर)
वरधा, महाराष्ट्र

"पिछले 20 सालों पर नजर डाले तो कॉटन इंडस्ट्री के लिए यह साल सबसे बुरा है। जिनर्स हो या स्पिनर्स इस साल हर कोई नुकसान में काम करने को मजबूर है। मंडी में कपास की आवक बहुत धीमी है नतीजा पूरा कारोबार ही धीमा है। ज्यादा भाव मिलने की उम्मीद में किसान मंडी में कपास लेकर ही नहीं आ रहे हैं। सीधे शब्दों में कहा जाए तो अब सब कुछ किसान के हाथ में ही है। "

कारोबारियों की विवश्ता और इंडस्ट्री की वर्तमान स्थिति दर्शाती यह बात कही विदर्भ क्षेत्र के वरधा शहर के कॉटन जिनर दीपक बत्रा ने।

उत्पादन में भारी कमी

उन्होंने कहा कि किसानों ने कपास को होल्ड करने की अपनी क्षमता काफी बढ़ाई है। इसकी वजह से मंडी में कपास ना के बराबर है। वरधा में 21 जिनिंग फैक्ट्री है। अक्टूबर से नया सीजन शुरू होने के बाद, सामान्यतः वरधा की हर जिनिंग फैक्ट्री में हर दिन मिनिमम 200 बेल का उत्पादन होने लगता था लेकिन इस बार दिसंबर खत्म होने को है और हमारी फैक्ट्री में 50 बेल का उत्पादन भी नहीं हो पा रहा है।

एकजुट नहीं है जिनर

नुकसान की स्थिति यह है कि हमने अपनी फैक्ट्री लगभग बंद कर रखी है। पहले एक दिन में 2 शिफ्ट चलती थी जबकि इनदिनों तीन दिन में 1 शिफ्ट भी मुश्किल से चल पा रही है। इससे प्रोडक्शन कॉस्ट बहुत बढ़ गई है। सबसे बड़ी समस्या तो यह है कि इतने बुरे वक्त में भी जिनर्स एकजुट होकर काम करने को तैयार नहीं है। आपसी कॉम्पीटिशन के चलते अलग-अलग भाव में कपास खरीद करके जिनर्स खुद मार्केट को बिगाड़ रहे है।

कोविड की न्यूज से मार्केट टूटा

हालांकि जैसे ही आवक बढ़ेगी, कारोबार की स्थिति भी सुधरेगी। उम्मीद है कि 15 जनवरी तक मंडियों में कपास की आवक तेज होगी। लेकिन इन सबके बीच चीन में कोविड आने की खबर ने भी कारोबार में हलचल मचा दी है। इस खबर के आते ही कपास का भाव 200 रूपए टूट गया है। मल्टीनेशनल कंपनीज यदि अपना भाव गिराएगी तो उसका सीधा असर हमारे कारोबार पर भी आएगा।

सुझाव

जिनर्स के हित के लिए कई एसोसिएशन कार्य कर रही है। इन एसोसिएशन को मेरा केवल इतना सुझाव है कि इस मुश्किल वक्त में जिनर्स को एकजुट करके कपास का एक खरीद भाव तय कर दिया जाए। ताकि सभी व्यापारी सर्वाइव कर पाएं।

INTERNATIONAL

चीन का बड़ा कदम- अमेरिका के साथ कपास की दशक की सबसे बड़ी खरीदी को किया रद्द

कोविड-19 लॉकडाउन और मैन्युफैक्चरिंग में संकुचन के कारण चीन की मांग धीमी हो गई है। आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिकी कपास के चीनी खरीदारों ने दुनिया के सबसे बड़े निर्यातक के लिए मांग की विपरीत परिस्थितियों के ताजा संकेतों में एक दशक में सबसे बड़ी खरीद रद्द कर दी है। इसने समग्र अमेरिकी बिक्री को नीचे खींच लिया।

1,44,400 गांठों की खरीद समाप्त

अमेरिकी कृषि विभाग के अनुसार, जून 2012 के बाद से सबसे बड़ा साप्ताहिक रद्दीकरण, 15 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के लिए चीन ने 1,44,400 गांठों की खरीद को समाप्त कर दिया। एशियाई राष्ट्र फाइबर का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक और सबसे बड़ा अमेरिकी ग्राहक है।

45% गिर गई कीमत

आईसीई फ्यूचर्स यूएस पर कपास वायदा 4.5% से 84.35 सेंट प्रति पाउंड तक गिर गया, 21 नवंबर के बाद से सबसे बड़ी गिरावट की गति पर। बढ़ती मांग की चिंताओं के बीच मई में एक दशक के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद से कीमत 45% से अधिक गिर गई है।

क्षमता से कम काम

यूएसडीए ने हाल के महीनों में विश्व खपत के लिए अपने दृष्टिकोण को कम कर दिया है, उच्च सूची का हवाला देते हुए, उच्च दरों के बीच अर्थव्यवस्थाओं को धीमा कर दिया है, जिससे बांग्लादेश और भारत जैसे प्रमुख कपड़ा और परिधान निर्यातकों में मिलें क्षमता से कम काम कर रही हैं।

यार्न के चीनी आयात में कमी

चीन के अब तक के सबसे बड़े उत्पादक प्रांत झिंजियांग के क्षेत्र में उत्पादित कपास के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध भी घर पर अधिक फाइबर रख रहे हैं, जिससे यार्न के चीनी आयात में कमी आ रही है।

शेयर मार्केट में टेक्सटाइल निवेशकों के लिए खास रिपोर्ट

19 से 24 दिसंबर के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर्स वेल्यू पर एक नजर

चीन में कोविड-19 के नया वेरिएंट आने की खबर ने शेयर मार्केट में इस सप्ताह खासी खलबली मचाई है। लगभग हर सेग्मेंट के शेयर्स इस सप्ताह औंधे मुंह गिरे है। टेक्सटाइल सेग्मेंट भी इससे अछूता नहीं रहा है। इस सप्ताह लगभग सभी प्रमुख कंपनीज के शेयर्स में भारी गिरावट दर्ज की गई है। आईए देखते है बीएससी के मंच पर इन कंपनीज की इस सप्ताह की परफार्मेंस पर आधारित ये रिपोर्ट-

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	294	334.5	292	11.46%
अरविद लिमिटेड	82.9	96.5	82.05	12.92%
वेलसपन इंडिया	68.4	79.75	67.35	13.53%
नितिन स्पिनर्स	183.7	200.5	183	6.35%
रेमण्ड	1353.45	1624.1	1341	14.48%
अक्षिता कॉटन	42.1	51.45	41.35	12.38%

जानिए इस सप्ताह की कॉटन मार्केट की हलचल

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 24.12.2022

ICE COTTON			
MONTH	16.12.22	23.12.22	WEEKLY CHANGE
MARCH	81.92	85.21	3.29
MAY	82.08	85.18	3.1
JULY	82.03	84.91	2.88
MCX (BALES)			
DEC	30590	29090	-1500
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1600	1599	-1
NCDEX (COCUD KHAL)			
JAN	2705	2883	178
FEB	2663	2800	137
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.87	82.86	-0.01
PAK (Pakistani Rupee)	225.024	225.489	0.465
CNY (Chinese yuan)	6.97311	6.98898	0.01587
BRAZIL (Real)	5.31438	5.16569	-0.14869
AUSTRALIAN Dollar	1.48921	1.48909	-0.00012
MALAYSIAN RINGGITS	4.42399	4.42499	0.001
COTLOOK "A" INDEX	98.5	101.55	3.05
BRAZIL COTTON INDEX	100	102.64	2.64
USDA SPOT RATE	81.13	84.28	3.15
MCX SPOT RATE	31350	29750	-1600
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	16500	16700	200

पिछले सप्ताह की तरह इस बार भी सप्ताहअंत पर इंटरनेशनल एक्सचेंज मार्केट में कॉटन के दामों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जबकि नेशनल एक्सचेंज मार्केट यानी एमसीएक्स पर कीमतों का ग्राफ नीचे की ओर लुढ़का है। आईस कॉटन पर मार्च, मई और जुलाई माह के सौदा भाव क्रमशः 3.29,3.1 और 2.88 तक बढ़े है। वहीं एमसीएक्स पर दिसंबर माह के सौदे के लिए कॉटन के भाव में 1500 रूपए की कमी देखी गई है।

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव इस सप्ताह 1 रूपए की मामूली कमी के साथ लगभग स्थायी ही रहे है। जबकि एनसीडीएक्स पर खल के भाव में इस बार बढ़ोतरी हुई है। जनवरी और फरवरी माह के सौदा भाव में क्रमशः 178 और 137 रूपए का इजाफा हुआ है। अन्य इंटरनेशनल एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो एमसीएक्स स्पॉट रेट को छोड़ अन्य सभी प्लेटफॉर्म पर कॉटन के दाम बढ़े है। एमसीएक्स स्पॉट रेट पर 1600 रूपए की भारी कमी दर्ज की गई है।

करंसी मार्केट में इस सप्ताह इंडियन रूपया, ब्राजील रिअल और ऑस्टेलियन डॉलर ने डॉलर के मुकाबले मामूली बढ़त हासिल की है जबकि अन्य देशों की करंसी जैसे पाकिस्तानी रूपया, चायनीज युआन और मलेशियन रिंगित पर डॉलर हावी रहा है।

NEWSLETTER

NORTH :
CENTRAL :
SOUTH :
(WEATHER REPORT)

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

24/12/2022

CAI के सभी निर्वाचित सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई

Shri. Atul S. Ganatra
(President)

Shri. Bhupendrasingh Rajpal
(Vice-President)

Shri. Vinay N. Kotak
(Addl. Vice-President)

Shri. Shyamsunder M. Makharia
(Hon. Treasurer)

Shri. Arun Sekhsaria
(Executive Addl. Vice President)

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को निदेशक मंडल की बैठक आयोजित की। इस बैठक में सत्र 2022-23 के लिए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। इस मौके पर एसोसिएशन के वर्तमान अध्यक्ष श्री अतुल गनात्रा को दोबारा अध्यक्ष पद के लिए चुना गया। इसके अतिरिक्त श्री भूपेंद्र सिंह राजपाल को उपाध्यक्ष, श्री विनय एन कोटक को अतिरिक्त उपाध्यक्ष, श्री अरूण बी शेखसरिया को कार्यकारी अतिरिक्त उपाध्यक्ष और श्री श्यामसुंदर एम मखारिया को कोषाध्यक्ष के पद पर चुना गया। SIS टीम की ओर से इन सभी सदस्यों को बधाई व शुभकामनाएं।

इस अवसर पर गनात्राजी ने अपने उद्बोधन में जीएम कपास की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि भारत में कपास की पैदावार जिसे 200 किलोग्राम की उत्पादकता में वृद्धि के लिए पाँच दशक लग गए। भारत में जीएम कपास प्रौद्योगिकी की शुरूआत से पहले प्रति हेक्टेयर 200 किलोग्राम हासिल करने के लिए केवल पांच साल और लगे। प्रति हेक्टेयर वृद्धि भारत में जीएम कपास प्रौद्योगिकी के लिए धन्यवाद। इसलिए, इस तरह की पहल करने के लिए वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकी प्रदाताओं को नीतिगत समर्थन प्रदान करना अनिवार्य है क्योंकि देश को क्रांतियों की तरह अधिक जीएम कपास की सख्त जरूरत है। उच्च घनत्व रोपण को लोकप्रिय बनाना, कृषि मशीनीकरण और अनुसंधान-उन्मुख कृषि विज्ञान पर जोर देना, हमारी कपास उत्पादकता को कम से कम विश्व कपास औसत उत्पादकता चिह्न तक बढ़ाने के कुछ अन्य महत्वपूर्ण तरीके हैं।

किसानों के बीच कपास की खेती की आधुनिक कृषि तकनीकों के बारे में जागरूकता पैदा करने और उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए, हमारे संघ ने हमारे कॉटन ग्रीन परिसर में एक किसान प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया है। कपास किसानों को जागरुकता पैदा करने और प्रशिक्षण देने के अलावा, सीएआई ने कपास किसानों को फेरोमोन जाल और लालच वितरित किया है और कई अन्य सक्रिय उपाय भी किए हैं। हमने कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार को कपास किसानों को हाथ से पकड़ने वाली कपास प्लकर मशीनें वितरित करने के लिए भी प्रतिबद्ध किया है।इसके साथ ही उन्होंने एसोसिएशन द्वारा किए गए कार्यों और योजनाओं से सभी को अवगत कराया और सदस्यों द्वारा मिले गए सहयोग के लिए उनका धन्यवाद भी किया।

SMART INFO SERVICES

Email : india.smartinfo@gmail.com No. : 91119 77775

Comparison of Gujarat Cotton Rate for Last five years

Date	29-3.8-76 (355.62 kg)	V-797 (355.62 kg)	MCX Spot (170 kg)	CENT/lb	$ Rate
23/12/2022	61,800	53,250	30,470	95	82.76
24/12/2021	66,500	39,650	32,120	113	75.23
24/12/2020	41,850	26,350	20,090	72	73.84
24/12/2019	39,200	32,700	18,870	70	71.17
24/12/2018	43,450	0	21,150	79	70.16

Source : GUJCOT

5 साल में 42 प्रतिशत तक बढ़े गुजरात में कॉटन के दाम

पिछले कुछ सालों में कॉटन के दाम तेजी से बढ़े हैं। गुजकॉट की रिपोर्ट के अनुसार गुजरात में 5 सालों में कॉटन के दामों में 42 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। स्थिति को स्पष्ट करने के लिए पिछले 5 सालों में आज ही के दिन यानी 24 दिसंबर को फिजिकल कॉटन के क्या दाम थे यह बताने की हमने कोशिश की है।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

पंजाब में कपास की आवक में भारी कमी, इस साल 73 प्रतिशत कम

पंजाब मंडी बोर्ड के अनुसार, 8 दिसंबर तक राज्य की मंडियों को 2.77 लाख क्विंटल कच्चा कपास प्राप्त हुआ, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 10.35 लाख क्विंटल कच्चा कपास प्राप्त हुआ था।

किसानों की मांग को ना मानते हुए केंद्र ने कपास एमएसपी में वृद्धि करने से किया इंकार

कई राज्यों में कपास किसानों ने फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि की मांग की है, केंद्र ने कहा है कि वह कपास उत्पादन परिदृश्य को देख रहा है और तदनुसार निर्णय लेता है। 2022-23 खरीफ सीजन के लिए मीडियम स्टेपल कपास का एमएसपी 6,080 रुपये है।

वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सतत प्रयास कर रही सरकार

सरकार ने एमएमएफ परिधान के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए पांच साल की अवधि में 10,683 करोड़ रुपये के स्वीकृत परिव्यय के साथ 08.09.2021 को उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को मंजूरी दे दी है।

पंजाब में गंभीर है स्थिति, 80 में से केवल 8 जिनिंग यूनिट कर पा रही है काम

कपास, राज्य में एक महत्वपूर्ण फसल है और धान के सबसे अच्छे विकल्पों में से एक है, पर सरकार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि यह पिछले 7-8 वर्षों से राज्य में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है और स्थिति बिगड़ने लगी है।

हरियाणा में चमक बिखेरने को तैयार सफेद सोना

हरियाणा में इस साल राज्य में कपास का उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 35 प्रतिशत अधिक होने का अनुमान है। पिछले वर्ष लगभग 13.16 लाख कपास गांठों के उत्पादन के मुकाबले इस वर्ष उत्पादन लगभग 17.79 लाख गांठ होने का अनुमान है। पिछले साल की तुलना में लिंट यील्ड में भी सुधार हुआ है।

एक नजर इस सप्ताह के कॉटन फिजिकल मार्केट पर

इस सप्ताह सभी कॉटन प्रमुख राज्यों में कॉटन के दामों में काफी गिरावट देखी गई है। नार्थ झोन में पंजाब में 100, हरियाणा में 150 और अपर राजस्थान 125 रूपए प्रति मंड तक भाव गिरे है। वहीं सेंटल झोन में गुजरात में सबसे ज्यादा 2900 रूपए की गिरावट इस सप्ताह दर्ज हुई है। जबकि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में 2800 रूपए तक दाम कम हुए है।

कर्नाटका सबसे आगे

साउथ झोन में कर्नाटका में सबसे ज्यादा 3000 रूपए की कमी आई है। जबकि सबसे कम उड़िसा में 1800 रूपए दाम कम हुए है। वहीं आंध्रप्रदेश में 2000 और तेलंगाना में 2200 रूपए तक की भारी गिरावट इस सप्ताह दर्ज की गई है।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77771 - 5

DATE: 24.12.2022

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	19.12.22		24.12.22		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,350	6,400	6,275	6,300	-100
HARYANA	27.5/28	6,275	6,375	6,150	6,225	-150
UPER RAJASTHAN	28	6,475	6,525	6,350	6,400	-125
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	63,700	64,200	61,000	61,300	-2,900
MADHYA PRADESH	29	63,300	63,800	60,700	61,000	-2,800
MAHARASHTRA	29 vid.	64,000	64,300	61,000	61,500	-2,800
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	64,500	65,000	63,000	63,200	-1,800
KARNATAKA	29+	64,000	64,500	61,000	61,500	-3,000
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	64,000	64,500	62,000	62,500	-2,000
TELANGANA	30 mm	64,500	65,000	62,500	62,800	-2,200

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy